<u>प्रमुख खरीफ एवं जायद फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर किसानों को दी गई जानकारी</u>

पंतनगर। 24 मार्च 2026। ग्राम मोतियापुरम, तहसील गदरपुर, जिला उधम सिंह नगर में किसान श्री सुरजीत सिंह डावर के सहयोग से एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम प्रधान श्रीमती सुमन भी उपस्थित रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अ.भा. स. खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के परियोजनाधिकारी डा. एस. पी. सिंह द्वारा किसानों को प्रमुख खरीफ एवं जायद फसलें जैसे :—धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, उड़द, सोयाबीन, लोबिया, मूंगफली, गन्ना इत्यादि में उपयोग होने वाले शाकनाशियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई और उन्हें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने शाकनाशियों की उचित मात्रा, पानी की सही मात्रा तथा सही तकनीक से छिड़काव करने पर विशेष जोर दिया। किसानों को सलाह दी गई कि छिड़काव के लिए फ्लैट फैन कट नोजल का उपयोग करें, जिससे दवा का समान वितरण हो सके और बेहतर परिणाम मिलें। इसके साथ ही आधुनिक खरपतवार प्रबंधन तकनीकों जैसे एकीकृत खरपतवार प्रबंधन को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही मुख्य सावधानियों के बारे में बताते हुए डा. सिंह ने कहा कि शाकनाशी रसायनों का प्रयोग हमेशा निर्धारित मात्रा में ही करना चाहिए तथा छिड़काव के समय पर्याप्त पानी का उपयोग करना आवश्यक है, अन्यथा खरपतवार नियंत्रण प्रभावी नहीं हो पाता। उन्होंने यह भी बताया कि तेज हवा या वर्षा की स्थिति में छिड़काव नहीं करना चाहिए और दवा के प्रयोग के दौरान मास्क, दस्ताने जैसे सुरक्षात्मक साधनों का उपयोग करना जरूरी है ताकि स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का दुष्प्रभाव न पड़े। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने अपने प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना था, ताकि वे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

अंत में डा. एस. पी. सिंह द्वारा परियोजना की तरफ से विभिन्न खरीफ एवं जायद फसलों में प्रयोग होने वाले शाकनाशी रसायनों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में परियोजना के वरिष्ठ शोधार्थी धर्मेन्द्र कुमार, आर.पी. सिंह, राजीव, प्रक्षेत्र सहायक सहित लगभग 75 पुरूष एवं महिला किसान उपस्थित रहे।